दिल्ली पुलिस समाचार

अंक-121 मार्च - अप्रैल, 2018 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



माननीय प्रधानमंत्री की 'कौशल विकास योजना' के अंतर्गत दिल्ली पुलिस ने अपने 'युवा' कार्यक्रम का विस्तार किया

दिल्ली पुलिस के सभी जिले व ईकाइयाँ नागरिकों की सुरक्षा–व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान निभाती है : श्री अमूल्य पटनायक, पुलिस आयुक्त

साथियों, किसी भी पुलिस व्यवस्था में उसकी कार्यप्रणाली और कार्यक्षेत्र को एक सीमित परिधि में नहीं आंका जा सकता। हालांकि पुलिस कार्यप्रणाली में कर्तव्यनिष्ठा, कार्यकुशलता, व्यवहार कुशलता व मजबूत परस्पर समन्वय जैसे गुणों का अनुकरण करते हुए निसंदेह जनता की कसौटी पर खरा उतरने में सफलता पाई जा सकती है। पिछले दिनों कई ऐसे मौके आए जब आप सब सामने आई कई कठिन परिस्थितियों से कुशलतापूर्वक निपटते हुए दिखाई दिये। चूंकि समाज में शांति व कानून व्यवस्था स्थापित करने में पुलिस का महत्वपूर्ण योगदान होता है, जिससे समाज को पुलिस विभाग से ज्यादा आशाएँ होती हैं। ये आशाएँ व्यक्तिगत स्तर पर भी होती हैं और सामाजिक स्तर पर भी।

पिछले दिनों 9 से 11 मार्च, 2018 के बीच दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें लगभग 60 देशों के विशिष्ठ अतिथियों ने भाग लिया। इस आयोजन के दौरान ट्रैफिक पुलिस, सुरक्षा शाखा व स्थानीय पुलिस के बीच जो अपेक्षित समन्वय देखने को मिला वह बहुत सराहनीय था। इसके अलावा दिल्ली में सीलिंग को लेकर व्यापारियों के विरोध प्रदर्शन के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना, सामाजिक कार्यकर्ता श्री अन्ना हजारे द्वारा रामलीला मैदान में किये गये अनशन के दौरान बेहतर सुरक्षा प्रबंध करना, एसएससी व सीबीएससी परीक्षाओं को लेकर कई दिनों तक चले छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान व्यवहार कुशलता दिखाना तथा 2 अप्रैल को भारत बंद के दौरान पुख्ता सुरक्षा प्रबंध करना आपकी पेशेवर निपुणता को दर्शाता है। 29 अप्रैल को कांग्रेस पार्टी द्वारा दिल्ली में आयोजित जन आक्रोश रैली के शांतिपूर्ण सम्पन्न होने में भी आपकी कड़ी मेहनत व कार्यकुशलता देखने को मिली। ये सब परिस्थितियाँ पुलिस के लिए चुनौतीपूर्ण थीं। आप सभी अधिकारियों एवं कर्मियों ने इन चुनौतियों को स्वीकारा और उससे पेशेवर कुशलता के साथ सफलतापूर्वक निपटा। इसके लिए मैं आप सबकी सराहना करता हूँ।

यहाँ मैं एक बात स्पष्ट करना चाहूँगा कि कामकाज के लिहाज़ से दिल्ली पुलिस की सभी यूनिट महत्वपूर्ण हैं और किसी न किसी रूप में नागरिकों के कल्याणार्थ काम करती हैं। दिल्ली पुलिस की सभी यूनिट अपने–अपने दायित्व का निर्वाह अनुशासित और कानूनी दायरे में रह कर सफलतापूर्वक कर रही है।

मैं आपका आह्वान करना चाहूँगा कि दिल्ली में अपराध चाहे किसी भी प्रकार का हो, छोटा या बड़ा, उस पर अंकुश लगाना या उसकी रोकथाम के लिए योजना बनाना हमारी प्रमुखता में शामिल होना चाहिए। रोजमर्रा के अपराधों में साइबर अपराध, सोशल मीडिया के दुरूपयोग व झपटमारी जैसे अपराध एक चुनौती के रूप में हमारे सामने आ रहे हैं। इन अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष प्रयास करते हुए तकनीक को अधिक से अधिक अपनी कार्यशैली में शामिल करें। अचानक होने वाली झपटमारी में पीड़ित स्वयं को ठगा सा महसूस करता है वहीं साइबर अपराध का पीड़ित आधुनिक तकनीक के गलत प्रयोग का शिकार हो जाता है। इसी प्रकार सोशल मीडिया के दुरूपयोग के कारण भी बेवजह तनाव उत्पन्न हो जाता है। कई बार संसाधनों और सूचनाओं के गलत हाथों में पड़ जाने से असामाजिक तत्वों द्वारा साइबर अपराध करना और भी आसान हो जाता है, इसलिए ऐसे अपराधों के प्रति सावधानी बरतें और उन्हें घटित होने से रोकने और घटित अपराधों में पुनरावृत्ति रोकने के लिए यथासंभव प्रयास करें।



दिल्ली पुलिस समय समय पर महिलाओं/छात्राओं को निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने और स्कूली बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने की दिशा में काफी तत्परता से काम कर रही है। इस दिशा में काफी सफलता मिली है और इसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। हमारी बहन–बेटियाँ जागरूक हुई हैं और ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जिनमें महिलाओं/छात्राओं ने ऐसे तत्वों से लोहा लेते हुए न सिर्फ खुद को छेड़छाड़ व झपटमारी से बचाया है बल्कि ऐसे तत्वों को पकड़वाया भी है। इसके साथ ही मैं कहना चाहूँगा कि दिल्ली पुलिस द्वारा जन कल्याणार्थ शुरू किये गए एप्स और योजनाओं पर भी अपनी पैनी नज़र रखें और इनके उपयोग के लिए लोगों को अधिक से अधिक जागरूक करें ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके। इसके साथ ही दिल्ली में अवैध हथियारों एवं मादक पदार्थो की सप्लाई पर अंकुश लगाने पर और ज्यादा ध्यान केंद्रित करें। इस सबके लिए पुलिसिंग को योजनाबद्ध तरीके से लागू करने की जरूरत है, जैसे कि गुप्त सूचना तंत्र को मजबूत करना, पैट्रोलिंग और पिकेटिंग को मजबूत करना, इलाके के एंट्री व एग्ज़िट प्वांइटों पर निगरानी रखना। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि लोगों का विश्वास अर्जित करते हुए उन्हें अधिक से अधिक संख्या में अपनी कार्यशैली में शामिल करें। इसके साथ ही सक्षम लोगों के अलावा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, व्यापारिक संगठनों, व्यापारियों, और इलाके की कमेटियों को सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए प्रेरित करें। मैंने, हमेशा एक बात पर विशेष जोर दिया है कि स्वयं को भ्रष्टाचार और गैर–कानूनी गतिविधियों में सम्मिलित न करें और ऐसा कोई काम कदापि ना करें जिससे विभाग की छवि धूमिल हो। आईए, हम सब इस श्रेष्ठ पुलिस बल को सफलता के नए शिखर तक ले जाने के लिए अपनी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

माननीय उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस के ''युवा'' कार्यक्रम के दूसरे चरण का उद्घाटन किया



स्किल सेंटर का उद्घाटन करते हुए माननीय उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल



'युवा' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक

12 अप्रैल, 2018 को माननीय **उपराज्यपाल श्री अनिल बैज़ल** ने दक्षिणी जिला के थाना चितरंजन पार्क में दिल्ली पुलिस द्वारा चलाये जा रहे **''युवा''** कार्यक्रम के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। इस मौके पर **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, विशेष पुलिस आयुक्त श्री राजेश मलिक, श्री एस.नित्यानंदन, श्री पी.कामराज, श्री संजय बेनीवाल, श्री दीपेन्द्र पाठक, श्री संदीप गोयल, श्री प्रवीर रंजन तथा उपायुक्त पुलिस श्री रोमिल बानिया** व **अति. उपायुक्त पुलिस श्रीमती विजयंता आर्य** सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा भारी संख्या में युवा योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए चयनित किये गए युवक–युवतियाँ शामिल थे। इस मौके पर **उपराज्यपाल श्री अनिल बैज़ल** ने अपने सम्बोधन में दिल्ली पुलिस की अनूठी पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस लोगों के सुखः दुख से लेकर समाज की हर गतिविधि में किसी न किसी रूप से सम्मिलित होती है। पुलिस की इस पहल से प्रशिक्षण के माध्यम से योग्य बनाये गये युवा अपराध की प्रवृति से बचेंगे और समाज में अपराध भी कम होंगे, जो समाज व पुलिस दोनों के लिए अच्छा होगा। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने कहा कि साधन वंचित, शिक्षा वंचित और स्कूल ड्राप–आउट बच्चों को उनकी योग्यता, क्षमता व रूचि के अनुरूप सही दिशा मिले तो निःसंदेह समाज के लिए हितकारी होगा। पुलिस ऐसे युवाओं को न केवल प्रशिक्षण दे रही है बल्कि विभिन्न संस्थाओं और उद्यमियों के साथ मिलकर उन्हें रोजगार दिलाने में भी मदद कर रही है। विशेष पुलिस आयुक्त श्री संजय बेनीवाल ने कहा कि पुलिस की मदद से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं और समाज में उसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। ''प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना'' के अन्तर्गत दिल्ली पुलिस अपने युवा कार्यक्रम के तहत साधन वंचित एवं रास्ते से भटके युवाओं को आंशिक प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार की तरफ उन्मुख कर रही है। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और भारतीय उद्योग परिसंघ के परामर्श से 45 ऐसे कौशल प्रशिक्षणों की पहचान की है जिनकी मदद से 17 से 25 वर्ष की आयु के 1900 चयनित लड़के–लड़कियों को रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इनमें से 1700 युवाओं को विभिन्न पुलिस स्टेशनों में तथा 200 युवक/युवतियों को पुलिस स्टेशनों के बाहर प्रशिक्षण केन्द्रों में भेजा गया है। निसंदेह दिल्ली पुलिस द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत शुरू की गई '' युवा'' योजना ऐसे युवाओं को मुख्य धारा में शामिल करने के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

पुलिस आयुक्त द्वारा इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ चीफ्स ऑफ पुलिस की बैठक से पूर्व स्वागत भोज का आयोजन

13 मार्च, 2018 को 17 मदर टेरेसा क्रीसेंट मार्ग पर ''इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ चीफ्स ऑफ पुलिस'' सम्मेलन में आए अधिकारियों के सम्मान में स्वागत भोज का आयोजन किया गया। 14 व 15 मार्च, 2018 को विज्ञान भवन में आयोजित इस दो दिवसीय बैठक में साइबर चुनौतियों के संबंध में चर्चा हुई। आसूचना ब्यूरों के सहयोग से दिल्ली में आयोजित इस बैठक का उद्घाटन माननीय केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने किया। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल, आसूचना ब्यूरो के निदेशक श्री राजीव जैन व पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक सहित सुरक्षा ऐजेंसियों से जुड़े शीर्षस्थ अधिकारियों के साथ–साथ एक विदेशी पुलिस प्रतिनिधि मंडल ने भी भाग लिया। पुलिस द्वारा साइबर स्पेस का कैसे मानव तस्करी, बाल शोषण व आतंकवाद रोकने में सदुपयोग किया जा सकता है, जैसे विषयों पर गंभीरता से विचार–विमर्श हुआ। माननीय केन्द्रीय कानून एवं न्याय मंत्री श्री रवि शंकर प्रसाद ने बैठक के समापन समारोह में उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सम्बोधित किया।



इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ चीफ्स ऑफ पुलिस के सदस्य पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक के साथ

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर पुलिस आयुक्त ने पुलिस मुख्यालय से महिला पीसीआर वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया



एक महिला पीसीआर वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए पुलिस आयुक्त



महिला पुलिसकर्मियों से उनकी ड्यूटी के बारे में बातचीत करते हुए पुलिस आयुक्त

8 मार्च को अंतरर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने पुलिस मुख्यालय से पूर्णतया महिला पुलिसकर्मियों द्वारा संचालित 5 महिला पीसीआर वैन को हरी झंड़ी दिखा कर रवाना किया। इन महिला पीसीआर वैन को दिल्ली के पांच प्रमुख स्थानों विश्वविद्यालय मैट्रो स्टेशन, पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, राजीव चौक मैट्रो स्टेशन, लेडी श्रीराम कॉलेज व श्री वेकेंटश्वर कॉलेज, साउथ कैम्पस पर तैनात किया गया है। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी. कामराज. श्री संजय बेनीवाल, श्री आर.एस.कृष्णैया, श्री दीपेन्द्र पाठक, श्री आर.पी. उपाध्याय, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार** व **उपायुक्त पुलिस श्री देवेन्द्र आर्य** सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। इन महिला पीसीआर वैन पर तैनात सभी महिला पुलिसकर्मियों को विशेष तौर पर चुना गया है और उन्हें ड्राइविंग, फायरिंग, हथियार चलाने, व्यवहार कुशलता व संचार सम्पर्क का विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया गया है। इन सभी महिला पीसीआर वैन को ऐसे सार्वजनिक स्थानों पर तैनात किया गया है जहां महिलाओं/छात्राओं और पर्यटकों की अधिक संख्या में उपस्थिति और आवागमन होता है। स्मरण दिलाया जाता है कि इससे पहले भी माह सितम्बर, 2016 में पांच महिला पीसीआर वैन, जो पूरी तरह से महिला पुलिसकर्मियों द्वारा ही संचालित की जा रही है को सी हैक्सगन–राजपथ, जीसस एंड मैरी कॉलेज, विजय चौक, के.जी. मार्ग तथा खान मार्केट जैसे प्रमुख स्थानों पर तैनात किया गया था। जिसके काफी अच्छे परिणाम सामने आए हैं क्योंकि इन महिला पीसीआर वैन पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों से महिलाएँ/छात्राएँ एवं पर्यटक निःसंकोच होकर अपनी शिकायत दर्ज कराती हैं। निसंदेह महिला सशक्तिकरण की दिशा में ये महिला पीसीआर वैन मील का पत्थर साबित होंगी।


दिल्ली पुलिस में महिला सशक्तिकरण की एक झलक


महिला पीसीआर वैन के लिए विशेषतौर पर प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मी

फोटो : रोज़र जोसफ

दक्षिण-पश्चिमी जिला व लाडली फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व उचित स्पर्श परामर्श कैंप का आयोजन

8 अप्रैल, 2018 को दक्षिण–पश्चिमी जिला पुलिस व लाडली फाउंडेशन ट्रस्ट ने संयुक्त रूप से मिलकर रंगपुरी पहाड़ी इलाके की झुग्गी–झोपड़ी बस्ती में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप और उचित स्पर्श परामर्श कैंप का आयोजन किया। ''सहेली'' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 1200 लड़कियों और महिलाओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच करने के साथ–साथ उन्हें उचित स्पर्श और गलत स्पर्श के बीच की बारीकियाँ भी बताई गई। कैंप में शामिल अधिकांश लड़कियाँ/महिलाएँ बहुत कम पढ़ी–लिखी या अशिक्षित हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उपायुक्त पुलिस श्रीमती मोनिका भारद्वाज एवं लाडली के संस्थापक श्री देवेन्द्र कुमार ने अहम भूमिका निभाई।

पीसीआर वैन पर तैनात पुलिसकर्मी ड्यूटी के समय मोबाइल नहीं रखेंगे

उपायुक्त पुलिस पीसीआर श्री देवेन्द्र आर्य ने पिछले दिनों एक एडवाइजरी जारी कर पीसीआर वैन पर तैनात पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन नहीं रखने के आदेश दिये हैं, हालांकि पीसीआर वैन प्रभारी मोबाइल फोन रख सकेंगे। आदेशानुसार ऐसा देखा गया है कि पीसीआर वैन पर तैनात पुलिसकर्मी अपने स्मार्ट फोन पर व्यस्त रहने के कारण अपने इर्द–गिर्द होने वाली घटनाओं पर ठीक से निगरानी नहीं रख पाते और अक्सर अपनी फोन कॉल या व्हाट्सअप आदि में व्यस्त रहते हैं। राजधानी के लोगों में किसी भी प्रकार के संकट आने पर सर्वप्रथम मदद के लिए पहुंचने वाली पीसीआर वैन हमेशा अलर्ट मोड पर रहती है और हमेशा संवेदनशील डयूटी को अंजाम देती है। इसीलिए पीसीआर वैन पर तैनात पुलिसकर्मियों की किसी भी प्रकार की असावधानी सहन नहीं की जा सकती।

ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट–2018 में दिल्ली पुलिस के डॉग स्क्वाड व फोटो सेक्शन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण पदक व दो कांस्य पदक हासिल किये

दिल्ली पुलिस की जांच पद्धति में जहाँ आधुनिक तकनीक का अत्याधिक महत्व व उपयोग है वहीं बेजुबान प्राणी डॉग्स की अहम भूमिका को भी कम नहीं आंका जा सकता है। दिल्ली पुलिस के डॉग स्कवाड ने अपनी सार्थक भूमिका एवं उपयोगिता को विशेष पहचान दिलाने के लिए कई मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया है। जिसे वरिष्ठ अधिकारियों के साथ–साथ आम जनता ने भी खूब सराहा है। दिल्ली पुलिस के डॉग स्क्वाड ने विभिन्न मौकों पर बदमाशों द्वारा छोड़े गये जूते, चप्पल, हथियार व कपड़े आदि को सूंघ कर उनकी पहचान करने तथा बारूद, डायनामाइट, टीएनटी, आरडीएक्स व प्लास्टिक विस्फोटकों का समय रहते पता लगाकर कई अनहोनियों को टाला है और पुलिस विभाग की शोभा बढ़ाई है। 24 से 28 फरवरी, 2018 के बीच तमिलनाडु (चेन्नई) में आयोजित **61वीं ऑल इंडिया पुलिस टीम–2018** में दिल्ली पुलिस के डॉग स्क्वाड व फोटो सेक्शन ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण पदक व दो कांस्य पदक जीत कर दिल्ली पुलिस का नाम रोशन किया है। 15 मार्च, 2018 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने डॉग स्क्वाड् के कां0 पवन कुमार (डॉग हैंडलर) को ट्रैकिंग में स्वर्ण पदक जीतने पर असाधारण कार्य पुरस्कार व 50 हजार रुपये नकद तथा हैडकां0 नागेन्द्र प्रसाद (डॉग हैंडलर) को कांस्य पदक जीतने पर 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। पुलिस ड्यूटी मीट में आयोजित हुई वीडियोग्राफी प्रतियोगिता में अपने शानदार प्रदर्शन के बल पर कांस्य पदक जीतने वाले एएसआई विपिन कुमार को भी 25 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री आर.पी. उपाध्याय, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार, उपायुक्त पुलिस श्री राजन भगत, उपायुक्त पुलिस श्री राजीव रंजन, एसीपी श्री राजेन्द्र सिंह** के अलावा डॉग स्क्वाड् व फोटो सेक्शन की टीम के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

15 मार्च, 2018 की शाम पुलिस मुख्यालय प्रांगण में पुलिस ड्यूटी मीट में शानदार प्रदर्शन करने वाले डॉग **''बाबू''** ने अपने हैंडलर कां0 पवन कुमार तथा डॉग **'बेबे'** ने अपने हैडलर हैडकां0 नागेन्द्र प्रसाद के साथ पुनः शानदार प्रदर्शन करके दिखाया। इस मौके पर भारी संख्या में मीडियाकर्मी भी उपस्थित थे। उपायुक्त पुलिस श्री राजन भगत ने इस मौके पर मौजूद मीडियाकर्मियों को डॉग स्क्वाड् की डयूटी, उनके प्रशिक्षण, उनकी आयु, खानपान, प्रजाति और खरीदने आदि की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हर वर्ष आयोजित होने वाली ऑल इंडिया पुलिस मीट में दिल्ली पुलिस का डॉग स्क्वाड और फोटो सेक्शन हिस्सा लेता है और विभिन्न राज्यों की पुलिस व अर्धसैनिक पुलिस बलों के दस्तों के बीच अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराते हुए पदक हासिल करता रहा है। दिल्ली पुलिस का डॉग स्क्वाड और फोटोग्राफ्रस् की टीम राष्ट्रीय स्तर पर और विभागीय स्तर पर आयोजित होने वाले महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में फोटो खीचनें, वीडियोग्राफी बनाने, कार्यक्रम स्थल की सूक्ष्म जांच करने तथा वैज्ञानिक जांच में सहयोग करने के साथ–साथ दिल्ली उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, राष्ट्रपति भवन, मुख्यमंत्री आवास, विज्ञान भवन, हैदराबाद हाउस के अलावा महत्वपूर्ण होटलों व भवनों की सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाते है।



विजेता डॉग स्क्वाड एवं वीडियोग्राफी टीम के सदस्य पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ



विजेता डॉग को मैडल पहनाते हुए पुलिस आयुक्त



विडियोग्राफी में कांस्य पदक जीतने वाले एएसआई विपिन को मुबारकबाद देते हुए पुलिस आयुक्त



टीम में शामिल रहे 'बाबू' और 'बेबे' विभिन्न मुद्राओं में

बाराखंभा रोड थाने में मॉर्डन स्कूल के छात्रों को यौन शोषण और दुष्कर्म जैसे मामलों की जांच प्रक्रिया व पीड़ित को मिलने वाली कानूनी मदद के बारे में जानकारी दी



24 अप्रैल, 2018 को बाराखंभा रोड थाने में मॉर्डन स्कूल के छात्रों के एक समूह ने यौन शोषण व दुष्कर्म जैसे संवेदनशील मामलों की जांच प्रक्रिया और पीड़ित को मिलने वाली कानूनी मदद के बारे में जानकारी हासिल की। इस मौके पर दिल्ली **उच्च न्यायालय की कार्यवाहक माननीया मुख्य न्यायाधीश श्रीमती गीता मित्तल ,उपायुक्त पुलिस नई दिल्ली जिला श्री मधुर वर्मा** सहित कई पुलिस अधिकारी, डाक्टर व मनौवैज्ञानिक भी उपस्थित थे। दिल्ली पुलिस व दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (DSLSA) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए न्यायाधीश महोदया ने स्कूली बच्चों को बताया कि इस तरह के अपराधों की पुलिस द्वारा कैसे एफआईआर दर्ज की जाती है, कैसे मामले की जांच की जाती है, किस प्रकार पीड़ित की काउंसलिंग होती है और किस प्रकार पीड़ित को कानूनी मदद दी जाती है। इस दौरान बच्चों को थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क और जनसुविधा पुलिस अधिकारी के बारे में भी जानकारी दी गई। इस तरह के अपराधों के बारे में अधिक से अधिक स्कूली बच्चों को जागरूक करने के उद्देश्य से ऐसे कार्यक्रम विभिन्न स्कूलों में आयोजित किये जाते रहेंगे।



पुलिस आयुक्त को नवनिर्मित पुलिस बूथ की चाबी सौंपते हुए सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी।

एनडीएमसी ने 4 पुलिस सहायता बूथ बना कर पुलिस को सौंपे

17 मार्च, 2018 को शांति पथ पर आयोजित एक कार्यक्रम में स्थानीय **सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी** ने एनडीएमसी द्वारा निर्मित चार पुलिस सहायता बूथों की चाबी **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** को सौंपी। इस मौके पर **एमडीएमसी के चेयरमैन श्री नरेश कुमार** सहित श्री करण सिंह तंवर, श्री बी.एस. भाटी, डॉ0 अनीता आर्य एवं श्री अब्दुल रशीद के साथ–साथ क्षेत्र के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने कहा कि शांति पथ, विनय मार्ग व कमाल अतातुर्क मार्ग पर बने ये चार पुलिस सहायता बूथ सुरक्षा की दृष्टि से काफी उपयोगी सिद्व होंगे। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से काफी संवेदनशील है तथा इन बूथों के निमार्ण से पुलिस की उपस्थिति जनता के बीच अधिकाधिक होगी जिससे जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी।

पुलिस -मीडिया 'इंटरफेस' कार्यशाला



कार्यशाला के दौरान मंच संचालित करते हुए (एपीआरओ) एसीपी श्री अनिल कुमार



कार्यशाला में भाग लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण

7 अप्रैल, 2018 को मदर टेरसा क्रीसेंट मार्ग, चाणक्यपुरी स्थित अकेडमी फॉर स्मार्ट पुलिसिंग में पुलिस–मीडिया संबंधों को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पुलिस व मीडिया के बीच परस्पर और बेहतर व मजबूत संबंध बनाने के लिए आवश्यक उपाय एवं उनका क्रियान्वयन था। इस कार्यशाला में सभी विशेष पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त, समस्त जिला उपायुक्त पुलिस तथा प्रशिक्षु सब–डिविजन एसीपी ने भाग लिया। कार्यशाला में विशेष रूप से आमंत्रित सुपरिचित पत्रकार पदमश्री श्री आलोक मेहता ने पुलिस व मीडिया के बहुत अच्छे संबंधों पर व्याख्यान देते हुए कहा कि पुलिस व मीडिया के बीच अच्छी समझ होना बहुत जरूरी है ताकि लोगों को उपयुक्त और दुरूस्त सूचना समय पर उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि अन्य देशों की अपेक्षा भारत वर्ष में पुलिस व मीडिया के संबंध काफी बेहतर हैं। इसके अलावा चर्चा का विषय यह भी रहा कि पुलिस को अपनी कार्यशैली में विज्ञापनों के अलावा अन्य जागरूकता अभियानों के दौरान आरडब्लूए व स्कूली बच्चों को भी शामिल करना चाहिए। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने अपने विचार रखते हुए कहा कि पुलिस व मीडिया के बीच सूक्ष्म दूरी भी उचित नहीं है। मीडियाकर्मियों को पुलिस पक्ष की उचित व सही जानकारी देने के लिए अधिकारियों की उपलब्धता का होना बहुत जरूरी है ताकि मीडिया मित्रों में पुलिस के प्रति सकारात्मक धारणा उत्पन्न हो। उन्होंने कहा कि समय–समय पर ऐसी कार्यशाला का आयोजन किया जाना चाहिए। कार्यशाला के दौरान विशेष पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक एवं प्रमुख पुलिस प्रवक्ता) श्री दीपेन्द्र पाठक ने मीडिया हैंडलिंग के लिए पुलिस अधिकारियों की सुगमता के साथ उपलब्धता, फील्ड डयूटी के दौरान उस डयूटी की संवेदनशीलता के बारे में ब्रीफिंग, ऐसी खबरें जिनसे दिल्ली पुलिस की छवि को लोकप्रिय बनाया जा सके और संवेदनशील व महत्वपूर्ण घटना या मामलों के दौरान अधिकृत पुलिस अधिकारी द्वारा एमएसएस व व्हाट्सअप के उपयोग के साथ–साथ जनसम्पर्क शाखा की कैसे मदद ली जा सकती है, के सन्दर्भ में एक प्रेजेंटेशन दिया।

पुलिस आयुक्त ने सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबलों को सम्मानित किया


हैडकां0 राजेश कुमार


कां0 बुद्धराम

पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने 20 अप्रैल, 2018 को माह दिसम्बर, 2017 के 4 सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबलों को प्रशंसा पत्र व नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। जैसा कि आपको विदित है कि ड्यूटी के दौरान अच्छी सूझबूझ और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देने वाले बीट कांस्टेबलों में से हर माह सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर का चयन कर उन्हें पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित किया जाता है। इसी श्रृंखला में 20 अप्रैल को 6 सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबल **हैडकां0 राजेश कुमार** (थाना द्वारका नॉर्थ, पश्चिमी परिक्षेत्र, 10 हजार रुपये), **कां0 बुद्धराम** (थाना सागरपुर, नई दिल्ली परिक्षेत्र–8 हजार रुपये), **कां0 राकेश** (थाना रूप नगर, मध्य परिक्षेत्र–8 हजार रुपये), **कां0 मनोज कुमार** (थाना नेब सराय, दक्षिणी परिक्षेत्र –8 हजार रुपये) को पुलिस आयुक्त ने सम्मानित किया। जबकि **हैडकां0 विक्रांत** (थाना जहांगीरपुरी, उत्तरी परिक्षेत्र–8 हजार रुपये) तथा **कां0 विक्रम** (थाना गांधी नगर, पूर्वी परिक्षेत्र–8 हजार रुपये) अपरिहार्य कारणों से इस मौके पर उपस्थित नहीं हो सके।


कां0 मनोज कुमार


कां0 राकेश

आईए बनाएँ तंबाकू रहित दिल्ली



19 अप्रैल, 2018 को कांस्टीट्यूशन क्लब में ''संबंध हेल्थ इंडिया'' व ''मैक्स इंडिया फाउंडेशन''नामक गैर सरकारी संगठनों ने दिल्ली में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर अंकुश लगाने संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज व प्रवीर रंजन, उपायुक्त पुलिस श्री जतिन नरवाल, श्री चिन्यम विस्वाल, श्री रोमिल बानिया, श्रीमती विजयंता आर्य ने भी भाग लिया। दिल्ली पुलिस ने सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 (कोपटा) के प्रावधानों को योजनाबद्व तरीके से लागू कर राजधानी को तंबाकू मुक्त बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाई है। इस मौके पर बोलते हुए विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज ने कहा कि ''द सिगरेट एंड अदर टोबैको प्रोडक्ट्स एक्ट–2003 (कोटपा) को दिल्ली में लागू करने में दिल्ली पुलिस ने इन गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर काफी प्रभावशाली ढंग से काम किया है। इस संबंध में अधिकारियों एवं जवानों को प्रशिक्षित करके सभी जिलों में विशेष अभियान चलाये गये हैं, विशेष कर शैक्षणिक संस्थाओं के आसपास। कार्यशाला के दौरान अपने–अपने जिले में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 को प्रभावशाली ढंग से लागू करने में अहम भूमिका निभाने वाले उत्तरी जिला उपायुक्त श्री जतिन नरवाल, दक्षिण–पूर्वी जिला उपायुक्त पुलिस श्री चिन्यम बिस्वाल तथा दक्षिणी जिला उपायुक्त पुलिस श्री रोमिला बानिया को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यशाला का आयोजन करने वाली गैर सरकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज व प्रवीर रंजन को उनके विशेष योगदान के लिए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

दिल की धड़कन रुकने ही वाली थी कि ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने समय पर सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिएशन) देकर चालक की जान बचाई


एएसआई श्रीराम

हैडकां. भाल सिंह

कां0 सुरेश

13 अप्रैल, 2018 की दोपहर महिपालपुर से धौलाकुंआ की तरफ आ रही एक वैगनआर कार के चालक योगेश ने अपनी कार को रोकने का प्रयास करते हुए वहां खड़े ट्रैफिक पुलिसकर्मियों से मदद की गुहार लगाई। जब तक पुलिसकर्मी कार तक पहुंचते चालक बेहोश हो गया। मौके पर तैनात ट्रैफिक पुलिस के एएसआई श्रीराम, हैडकां. भाल सिंह व कां0 सुरेश ने महसूस किया कि चालक को हार्ट अटैक हुआ है तो उसे तत्काल बाहर निकाला और जोर–जोर से उसकी छाती को दबाया और मुँह से सांस दी। उसी समय पीसीआर को कॉल किया। कुछ देर बाद पुलिसकर्मियों की मेहनत रंग लाई और पीड़ित चालक योगेश को होश आ गया। फिर भी उसे चिकित्सा मदद के लिए पीसीआर वैन की मदद से निकट के अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित चालक योगेश ने पुलिसकर्मियों का धन्यवाद देते हुए तहेदिल से आभार व्यक्त किया। सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिएशन) वह प्राथमिक चिकित्सा है जिसमें हार्ट अटैक से पीड़ित व्यक्ति की छाती को बीचों–बीच दबाया जाता है और एक मिनट में करीब 100 बार मुँह से सांस दी जाती है। एएसआई श्रीराम, हैडकां. भाल सिंह व कां0 सुरेश को बहुत बहुत बधाई और शाबाशी।

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की रचनात्मक गतिविधियों पर एक नज़र

बैशाखी पर्व





4 अप्रैल, 2018 को बैशाखी पर्व के मौके पर दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने 17, मदर टेरेसा क्रीसेंट मार्ग स्थित राजपत्रित अधिकारी मैस में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें समिति की सभी पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर आयोजित क्विज़ कम्टीशन, डांस कम्टीशन, तम्बोला, गिद्धा व भांगड़ा जैसे कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक ने पुलिस परिवारों से जुड़ी महिलाओं के कल्याणार्थ कार्यक्रमों को दृढ़ता के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान भी किया।

व्यंजन प्रतियोगिता





9 अप्रैल, 2018 को नई पुलिस लाईन स्थित राजपत्रित अधिकारी मैस में दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने दिल्ली पुलिस परिवारों से जुड़ी महिलाओं के बीच व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें प्रसिद्ध इटेलियन शैफ श्री ईश ने प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगियों द्वारा हलवा, बिस्किट, बर्फी, एप्पल बर्फी, रशियन सैलेड, रसगुल्ले, पकौड़े, ब्रैड, जूस इत्यादि व्यजंनों को प्रदर्शित किया गया। जिसमें वेलफेयर सेंटर पुलिस कॉलोनी शालीमार बाग की सुश्री रीटा को प्रथम, वेलफेयर सेंटर पुलिस कॉलोनी मॉडल टाउन की सुश्री वर्षा को द्वितीय तथा वेलफेयर सेंटर मालवीय नगर की सुश्री पूनम को तृतीय विजेता घोषित किया गया। इस मौके पर समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक ने महिलाओं के लिए ऐसी मनोरंजक और शिक्षाप्रद प्रतियोगिताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं पुलिस परिवारों से जुड़ी महिलाओं को परस्पर जोड़ने में तथा रूचिकर व्यंजन बनाने के लिए प्रेरित करती हैं।

स्वास्थ्य कैम्प





8 मार्च, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने दिल्ली पुलिस की विभिन्न पुलिस कॉलोनियों में स्वास्थ्य कैम्प आयोजित किए। इन स्वास्थ्य कैम्पों का सभी आयुवर्ग की महिलाओं ने लाभ उठाया। इस मौके पर उपस्थित महिलाओं को बताया गया कि एक स्वस्थ मस्तिष्क और शरीर की महिला वह सब कुछ प्राप्त कर सकती है जो जीवन में वह पाना चाहती है।

श्रीमती सूचना पटनायक द्वारा पश्चिम विहार पुलिस कॉलोनी में स्किल सेंटर का उद्घाटन





23 अप्रैल, 2018 को पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक ने वेलफेयर सेंटर पुलिस कॉलोनी पश्चिम विहार में स्किल एवं ट्रेनिंग सेंटर का उद्घाटन किया। इस मौके पर पुलिस परिवारों से जुड़ी महिलाओं के लिए सिलाई सेंटर के साथ-साथ उनकी प्रतिभाओं को निखारने के लिए विभिन्न प्रकार की ट्रेनिंग देने के लिए सेंटर शुरू किया गया। समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक ने सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सेंटरों से महिलाओं में आत्मविश्वास जागृत होने के साथ-साथ आर्थिक आत्म निर्भरता भी आती है।





कबड्डी व कुश्ती के खिलाड़ियों के लिए फिज़ियोथैरेपी सत्र का आयोजन





13 अप्रैल, 2018 को दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की तरफ से नई पुलिस लाईन स्थित वेलफेयर सेंटर में कुश्ती एवं कबड्डी के खिलाड़ियों के लिए फिजियोथैरेपी सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में मिशन ओलम्पिक 2020 के तहत खेलों की तैयारी कर रहे पुलिस परिवारों से जुड़े बच्चों को फिजियोथैरेपी के बारे में बताया गया। फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. सुरेन्द्र यादव की देख-रेख में खिलाड़ियों को बारीकी से फिजियोथैरेपी के लाभों के बारे में बताया। इस सेंटर की मेंटर श्रीमती किरण बिश्नोई, इंस्पेटर उपेन्द्र व इंस्पेक्टर के.पी.एस. राणा ने इस सत्र को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

10वीं व 12वीं कक्षा के पेपर लीक मामले का पर्दाफाश करने वाली अपराध शाखा की टीम को पुलिस आयुक्त ने बधाई दी



अपराध शाखा की जांबाज टीम पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ

हिमाचल प्रदेश के उना जिले में स्थित स्कूल के टीचर राकेश द्वारा लीक किये गये 10वीं एवं 12वीं कक्षा के पेपर व्हाट्सएस ग्रुप के जरिये वायरल होकर देश के कई राज्यों में पहुंचने से देशभर के लाखों छात्र प्रभावित हुए। 13 अप्रैल, 2018 को हुई इस सनसनीखेज वारदात को सुलझाने वाली अपराध शाखा की टीम को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने बधाई दी और इस जटिल पहेली को सुलझाने पर उनकी पीठ थपथपाई। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री आर.पी. उपाध्याय, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार, उपायुक्त पुलिस डॉ जॉय टिर्की, डॉ0 जी. रामगोपाल नायक, एसीपी श्री राजेश कुमार, इंस्पेक्टर सुशील कुमार, इंस्पेक्टर विनय त्यागी, इंस्पेक्टर सुरेन्द्र कुमार, एसआई दिनेश, एसआई अर्जुन, एसआई हवा सिंह, एसआई रजनीश, एएसआई उपेन्द्र, एएसआई मुरलीधर, हैडकां0 शशिकांत, हैडकां0 संजीव कां0 देवेन्द्र, कां0 नितिन महिला कां0 कर्तिका आदि भी मौजूद थे। 23 मार्च, 2018 को आरोपी राकेश कंप्यूटर साइंस का पेपर लेने यूनियन बैंक गया था और वहां मौका देखकर अकेले ही स्ट्राँगरूम में घुस गया और रखे 12वीं कक्षा के अर्थशास्त्र और 10वीं के गणित के प्रश्नपत्र के बंडल से एक एक प्रति निकाल ली। 12वीं का प्रश्नपत्र अपने साथियों जवाहर नवोदय स्कूल के क्लर्क अमित व चपरासी अशोक को सौंप दिया जबकि 10वीं का प्रश्नपत्र बाद में लीक कर दिया। राकेश फिरोजपुर में रहने वाली अपनी एक रिश्तेदार महिला से काफी प्रभावित था जिसे उसने सबसे पहले प्रश्नपत्र भेजा। उस महिला ने पंचकुला में रहने वाली अपनी बहन को प्रश्नपत्र भेजा और बहन ने दिल्ली के पश्चिमी विहार में रहने वाली अपनी ननद को व्हाट्सअप पर प्रश्नपत्र उसके बच्चे के लिए भेज दिया। पश्चिम विहार से धीरे–धीरे 40 से ज्यादा व्हाट्सग्रुप के जरिये यह प्रश्नपत्र वायरल हो गया। इस संबंध में सी.बी.एस.ई ने अपराध शाखा में शिकायत दर्ज कराई थी और पुलिस टीम कई दिनों की कड़ी मेहनत के बाद व्हाट्सएप ग्रुप की कड़ियों को जोड़ते हुए मुख्य षडयंत्रकर्ताओं सहित दिल्ली के कई स्कूलों के टीचरों तक पहुंची। पुलिस टीम ने इस षडयंत्र में शामिल टीचर राकेश कुमार सहित कई अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया और बैंक कर्मियों की संलिप्तता की भी गंभीरता से जांच की।

जांबाज पुलिसकर्मी बारी से पहले पदोन्नति व असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानित



हैड कांस्टेबल नरेन्द्र कुमार को बारी से पहले तरक्की देकर एएसआई का स्टार लगाते हुए पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक एवं विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज



6 अप्रैल, 2018 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने पश्चिमी जिला के थाना पंजाबी बाग में तैनात एएसआई नरेश कुमार तथा हैडकां0 नरेन्द्र कुमार को उनकी बहादुरी और अच्छी सूझबूझ के लिए क्रमशः असाधारण कार्य पुरस्कार व बारी से पहले पदोन्नति देकर प्रोत्साहित किया। पुलिस आयुक्त महोदय ने कहा कि एएसआई नरेश कुमार व हैडकां0 नरेन्द्र कुमार ने जो अदम्य साहस और पेशेवर कार्यकुशलता दिखाई है, उसके लिए दोनों बधाई के पात्र हैं। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक, श्री संदीप गोयल, उपायुक्त पुलिस श्री विजय कुमार तथा थानाध्यक्ष पंजाबी बाग श्री संजीव भारद्वाज उपस्थित थे। स्मरण दिलाया जाता है कि 6 मार्च, 2018 की रात दोनों जाबांज पुलिसकर्मी सीएनजी पम्प, रामपुरा के निकट गश्त कर रहे थे कि उन्होंने 5 संदिग्ध युवकों को घूमते हुए देखा। दोनों पुलिसकर्मियों ने जब उन युवकों से पूछताछ करने के इरादे से रोका तो अचानक भागने लगे। हालांकि हैडकां0 नरेन्द्र कुमार ने एक युवक को मौके पर दबोच लिया जबकि एएसआई नरेश कुमार दूसरे युवकों को दबोचने के उद्देश्य से उनके पीछे दौड़ पड़े। इसी बीच हैडकां0 नरेश कुमार द्वारा पकड़े गये बदमाश ने चाकू निकाल कर उसकी छाती और बाजू पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद हैडकां0 नरेन्द्र कुमार ने मंसूर नामक बदमाश को दबोचे रखा और मदद के लिए एएसआई नरेश को आवाज लगाई। दूसरी तरफ एएसआई नरेश भी बदमाशों का पीछा कर रहा था कि उसे हैडकां0 नरेन्द्र की आवाज सुनाई दी तो वह तत्काल वापिस दौड़ा और काबू किये बदमाश के कब्जे से चाकू छीना और उसे गिरफ्त में लिया। इसी बीच काफी भीड़ एकत्रित हो गई और पकड़े गये बदमाश को पीटने लगी। परन्तु दोनों पुलिसकर्मियों ने भीड़ से विनम्रतापूर्वक आग्रह करते हुए उनके क्रोध से बचाया। दोनो जांबाज पुलिसकर्मियों के साहस और अच्छी सूझबूझ को उपस्थित भीड़ ने काफी सराहा। मामले की जानकारी मिलने पर थानाध्यक्ष संजीव भारद्वाज अपनी टीम सहित तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने घायल हैडकां0 नरेन्द्र कुमार को उपचार के लिए तुरंत महाराजा अग्रसेन अस्पताल में भर्ती कराया और मौके से फरार हुए अन्य बदमाशों की शिनाख्त करते हुए उनकी गिरफ्तारी में जुट गई।

गुप्त सूचना की मदद से अदालत के अंदर किसी संगीन अपराध को अंजाम देने वाले बदमाश को पहले ही दबोचने वाली पुलिस टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित

17 अप्रैल, 2017 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने रोहिणी जिला के थाना नरेला की पुलिस टीम जिसने एक गुप्त सूचना की मदद से द्वारका अदालत के अंदर संगीन अपराध को अंजाम देने की कोशिश वाले बदमाश को वारदात से पहले ही दबोचने पर शाबाशी दी और उनके काम की सराहना की। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ0 सागर प्रीत हुड्डा, उपायुक्त पुलिस श्री रजनीश गुप्ता, एसीपी श्री रजनीश तथा पुलिस टीम के सदस्य इंस्पेक्टर राकेश कुमार, एसआई बिजेन्द्र, हैडकां0 विरेन्द्र, हैडकां कमलेश, कां0 विनोद्र, कां0 नवनीत, कां0 अमित तथा कां0 विश्वदेव भी उपस्थित थे।



अदालत के अन्दर वारदात को अंजाम देने की कोशिश करने वाले बदमाश को पकड़ने वाली टीम वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ

शार्ट सर्किट से बिल्डिंग में लगी आग में फंसे 23 लोगों में से 19 को सकुशल बचाने में स्थानीय पुलिस ने भी काफी मशक्कत की





पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक थाना नेताजी सुभाष प्लेस की पुलिस टीम को प्रोत्साहित करते हुए

17 अप्रैल, 2018 को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने उत्तर–पश्चिमी जिला के थाना नेताजी सुभाष प्लेस की एक टीम को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए पुलिस मुख्यालय में बुलाकर सम्मानित किया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ0 सागरप्रीत हुड्डा, उपायुक्त पुलिस श्रीमती असलम खान, एसीपी श्री अशोक बिश्नोई, इंस्पेक्टर सतीश कुमार, एएसआई विनोद, कां0 रेखराज, कां. महेश सिंह व कां0 सुमित भी उपस्थित थे। 12 अप्रैल, 2018 की देर रात पीतमपुरा इलाके के कोहाट एंक्लेव स्थित एक बिल्डिंग में आग लगने से अफरा–तफरी मच गई थी और बिल्डिंग में रहने वाले लोग धुंए एवं आग में फंस गये। पुलिस एवं दमकल को सूचना मिली। थाना नेताजी सुभाष प्लेस की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और लोगों को बचाने में जुट गई। हालांकि पुलिसकर्मियों और दमकलकर्मियों की अनंत कोशिशों के बावजूद एक ही परिवार के चार लोग हादसे का शिकार हो गये। इस दुर्घटना में चांदनी चौक के कटरा नील में कपड़े का व्यवसाय करने वाले श्री राकेश नागपाल, उनकी पत्नी टीना नागपाल, दिव्यांश (9) तथा श्रेया (3) हादसे के शिकार हो गये। एक फ्लैट में फंसी लगभग 90 वर्षीय एक महिला को कंधे पर उठाकर सकुशल नीचे लाने वाले नेताजी सुभाष प्लेस में तैनात कां0 महेश सिंह की उपस्थित लोगों ने काफी प्रशंसा की। स्थानीय पुलिस टीम ने बिल्डिंग में फंसे 19 लोगों को बिल्डिंग से दमकलकर्मियों की सीढ़ियों की सहायता से सकुशल निकालने में काफी अहम भूमिका निभाई। उपायुक्त पुलिस श्रीमती असलम खान ने भी घटना के समय विशेष साहस व और सूझबूझ दिखाने वाले सभी पुलिसकर्मियों के साथ–साथ कां0 महेश सिंह की विशेष तौर पर प्रशंसा की। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने पुलिस टीम को उचित पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की।

स्पेशल सेल व यूपी पुलिस को संयुक्त कार्यवाही के दौरान हुई मुठभेड़ में एक लाख रुपये के ईनामी बदमाश अनवर उर्फ हटेला को गिरफ्तार करने में शानदार सफलता मिली

13/14 मार्च, 2018 की मध्य रात्रि स्पेशल सेल के एसीपी श्री अतर सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर शिव कुमार, एसआई कर्मबीर व एएसआई राजेश की टीम ने यूपी पुलिस के साथ मिलकर 22 अक्टूबर, 2017 की रात जाफराबाद व भजनपुरा इलाके में दो हत्याओं को अंजाम देने वाले खूंखार बदमाश अनवर उर्फ हटेला को अमरोहा (उ.प्र) से गिरफ्तार करने में शानदार सफलता अर्जित की है। मुठभेड में घायल हुआ बदमाश अनवर कुख्यात सरगना इरफान उर्फ छेनू गिरोह का शार्प–शूटर था और उसकी गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस ने एक लाख रुपये का जबकि यूपी पुलिस ने 25 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया हुआ था। मुठभेड के दौरान पुलिस टीम ने गिरफ्तार हुए इस बदमाश के कब्जे से एक आधुनिक कारबाइन मशीन गन, 20 जिंदा कारतूस, एक सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल मय 6 जिंदा कारतूस बरामद करने में बेहतरीन कामयाबी हासिल की। दिल्ली व यूपी में लगभग 10 संगीन वारदातों में शामिल इस बदमाश के पास गिरफ्तारी के समय एक सेंट्रो कार व 75 हजार रुपये नकद भी बरामद हुए। पक्की खबर के आधार पर बदमाश अनवर को गिरफ्तार करने के लिए हुई इस संयुक्त कार्यवाही में दिल्ली पुलिस की टीम के अलावा यूपी पुलिस की कई टीमों ने भाग लिया। सेंट्रो कार में सवार इस बदमाश को पकड़ने के लिए पुलिस टीम ने कई घंटे पीछा किया और जब उसे अहसास हुआ कि पुलिस टीम उसका पीछा कर रहीं हैं तो उसने बेखौफ होकर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। दोनों तरफ से करीब 25 राउंड फायरिंग हुई जिसमें दोनों पैरों में गोलियाँ लगने से बदमाश अनवर घायल हुआ वहीं दूसरी तरफ यूपी पुलिस के इंस्पेक्टर धर्मेन्द्र (एसएचओ देहात अमरोहा) हाथ में गोली लगने से घायल हो गये जबकि इंस्पेक्टर शिव कुमार (स्पेशल सेल) व इंस्पेक्टर राजेन्द्र नागर (एसएचओ सिटी अमरोहा) को भी गोलियाँ लगी परन्तु वे बुलेट प्रूफ जैकेट पहने हुए थे, इसीलिए सकुशल बच गये। छेनू व नासिर गैंग के बीच गैंगवार में अनवर जेल में बंद छेनू के गैग के लिए काम करता था। पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए सदैव अपनी कार में अपनी पत्नी व बच्चे के साथ सफर करने वाला अनवर लगभग 14 वर्ष पूर्व अपराध जगत में शामिल हुआ। उसके 6 भाई हैं जिनमें से अधिकांश आपराधिक प्रवृति के बताये गये हैं। पुलिस टीम द्वारा प्राप्त इस शानदार सफलता पर दिल्ली पुलिस व उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने दोनों टीम के सदस्यों की सराहना की है।

फायरिंग के बाद खूंखार बदमाशों को गिरफ्तार कर 7 सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल बरामद करने वाली पुलिस टीम की साहसिक कार्यवाही को सभी ने सराहा



28 मार्च, 2018 को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने अपराध शाखा के उपायुक्त पुलिस श्री राजेश देव के मार्गदर्शन में और एसीपी श्री जसबीर सिंह के नेतृत्व में साहसिक कार्यवाही को अंजाम देने वाली पुलिस टीम इंस्पेक्टर सुनील कुमार, एसआई नीरज कुमार व मनदीप एएसआई राकेश तोमर, राकेश कुमार, वासिक अहमद, वजीर, निरंजन, विक्रम दत्त, हैडकां0 उदय राम, सलीमुद्दीन, सुनील पांडे, गोपाल कृष्ण, मोहम्मद तथा कां0 सिकन्दर तथा कां0 सुभाष को उनके द्वारा किये गये साहसिक कार्य के लिए शाबाशी दी। पुलिस टीम ने संगम विहार इलाके में बदमाशों द्वारा फायरिंग किये जाने के बावजूद दक्षिणी जिला में सक्रिय बदमाशों के एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए उनके कब्जे से 7 सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल बरामद करने में भी शानदार कामयाबी हासिल की थी। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री आर.पी. उपाध्याय, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार, उपायुक्त पुलिस श्री राजेश देव भी मौजूद थे।

पुलिस टीम पर फायरिंग करने वाले अन्तर्राज्यीय लूटेरों को दबोचने वाली पुलिस टीम की पुलिस आयुक्त ने की सराहना



27 अप्रैल, 2018 को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने दक्षिण–पूर्वी जिला के थाना निज़ामुद्दीन की एक पुलिस टीम को तीन अन्तर्राज्यीय लूटेरों को दबोचने पर सराहना करते हुए शाबाशी दी। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज एवं श्री प्रवीर रंजन, उपायुक्त पुलिस श्री चिन्मय बिश्वाल, एसीपी श्री बिजेन्द्र सिंह के साथ–साथ टीम के सदस्य इंस्पेक्टर सतेन्द्र मोहन, एसआई भरत सिंह, एसआई अशोक कुमार, एएसआई रामकुमार, हैडकां0 जयकुमार, हैडकां0 विकास सोलंकी, हैडकां0 अशोक कुमार, हैडकां0 हिम्मत सिंह, कां0 बिजेन्द्र, कां0 हंसराम, कां0 अमित, कां0 सुबोध, कां0 रामकेश, कां0 सचिन, कां0 प्रदीप व कां0 संतोष भी मौजूद थे।

सूत्रहीन हत्याकांड सुलझाने वाली पुलिस टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित



27 अप्रैल, 2018 को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने थाना नेबसराय की पुलिस टीम को एक सूत्रहीन हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने पर शाबाशी दी और भविष्य में इसी तरह कर्तव्यनिष्ठा और लगन से काम करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज एवं प्रवीर रंजन, उपायुक्त पुलिस श्री रोमिल बानिया, एसीपी श्री राजेन्द्र सिंह पठानिया, थानाध्यक्ष नेबसराय कुलदीप सिंह, एसआई विनय कुमार, एसआई राजकुमार, हैडकां0 सतपाल समोता, हैडकां0 जयकुमार, कां0 इन्द्रपाल, कां0 मनोज व कां0 अजय मौजूद थे।

कुख्यात वाहन चोर को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम के काम को सराहा गया



इलाके में बढ़ती वाहन चोरी की वारदातों पर अकुंश लगाने और अपराधियों को धर–दबोचने के इरादे से एटीएस दक्षिणी जिला की पुलिस टीम कई दिनों से सादी वर्दी में भी काम कर रही थी। 19 अप्रैल, 2018 की रात पुलिस टीम की मेहनत उस समय रंग लाई जब टीम एक कुख्यात वाहन चोर मुश्किन खान को दबोचने में कामयाब हुई। इस वाहन चोर की गिरफ्तारी से वाहन चोरी के 8 मामले सुलझाने के अलावा वाहन चोर मुश्किन खान की निशानदेही पर बदांयू (उ.प्र.) से चोरी की 4 मोटरसाइकिलें बरामद करने में भी सफलता मिली। 27 अप्रैल, 2018 को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने पुलिस टीम के सदस्यों इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह,एसआई राजकुमार, हैडकां0 सुशील, कां0 मनोज व कां0 लक्ष्मीचंद को सम्मानित करते हुए उन्हें भविष्य में इसी जोश और स्फूर्ति से काम करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज एवं श्री प्रवीर रंजन, उपायुक्त पुलिस श्री रोमिल बानिया, एसीपी श्री राजेन्द्र पठानिया भी मौजूद थे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान 'ट्रैफिक पुलिस सेंटिनेल स्कीम' की शुरूआत

दिल्ली यातायात पुलिस ने 23 से 30 अप्रैल, 2018 के बीच राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया। 30 अप्रैल, 2018 को हौजखास स्थित आईआईटी के डोगरा हॉल ऑडिटोरियम में सड़क सुरक्षा सप्ताह का समापन समारोह हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने दिल्ली यातायात पुलिस की **'ट्रैफिक पुलिस सेंटिनेल स्कीम'** का शुभारंभ भी किया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज, श्री दीपेन्द्र पाठक, श्री संदीप गोयल एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री अरूण कम्पानी** सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित ट्रैफिक प्रहरी योजना के तहत शामिल किये गये ट्रैफिक पुलिस मित्र भी उपस्थित थे। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं ट्रैफिक पुलिस मित्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यातायात संचालन में नागरिकों की भागीदारी बढ़ने से यातायात को सुचारू संचालित करने में, वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने में तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर अंकुश लगाने में काफी मदद मिलेगी। विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) श्री दीपेन्द्र पाठक ने कहा कि इस योजना के तहत जुड़ने वाले स्वयंसेवकों को फलोरोसेंट जैकेट व कैप आदि के साथ–साथ एक निश्चित अवधि के लिए परिचय पत्र भी दिया जाएगा। अगर कोई भी पुलिस मित्र ट्रैफिक नियमों का दुरूपयोग करता हुआ पाया गया, तो उसे तुरंत इस स्कीम से हटा दिया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस मित्र यातायात नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों की फोटो, वीडियो आदि प्रहरी ऐप पर अपलोड कर सकेंगे और वहीं जाम खुलवाने, ट्रैफिक परिवर्तित कराने और यातायात सुचारू चलाने में यातायात पुलिसकर्मियों की मदद भी करेंगे। इस योजना में तमाम ट्रैफिक सर्किल्स से कुल 319 लोगों को जोड़ा गया है जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता, महिलाएँ, पुरूष व युवा सभी आयुवर्ग के नागरिक शामिल हैं। इस मौके पर ट्रैफिक सेंटीनेल एप यूजर्स को पुरस्कार भी प्रदान किये गये, जिसमें पहले पुरस्कार विजेता श्री योगेश धवन को हीरो मोटरसाइकिल, द्वितीय पुरस्कार श्री एस.पी.कक्कड़ को हीरो स्कूटर तथा तृतीय विजेता को 15 हजार रुपये जबकि चौथे विजेता को 10 हजार रुपये के नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 50 विजेताओं को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर Hero Moto Corp, Honda Motorcycle & Scooter India Ltd., Society of Indian Automobile Manufactures & Synergie के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। जिन्होंने अपनी भागीदारी से इस योजना को क्रियान्वित करने और सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।



मंच पर आसीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कार्यक्रम के भागीदार


पुलिस मित्रों को सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त



पुलिस मित्र को सम्मानित करते हुए पुलिस आयुक्त

पुलिस आयुक्त ने सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों को शुभकामनाएँ दी

9 अप्रैल, 2018 को 17 मदर टेरेसा, क्रीसेंट मार्ग पर स्थित राजपत्रित अधिकारी मैस में **सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के.झा** तथा **श्री के.के.व्यास** के सम्मान में रात्रि भोज का आयोजन किया गया। सेवानिवृत्त अति.पुलिस आयुक्त श्री के.के.व्यास किन्हीं अपरिहार्य कारणों से इस रात्रि भोज में सम्मलित नहीं हो सके। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज, श्री आर.एस.कृष्णैया, श्री दीपेन्द्र पाठक, श्री संदीप गोयल, श्री सतीश गोलचा सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने सेवानिवृत्त अति. आ.पु. श्री आर.के.झा को स्मृतिचिन्ह भेंट करते हुए उनकी दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। बाद में 20 अप्रैल 2018 को सेवानिवृत्त अति.आ.पुलिस श्री के.के.व्यास पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक से उनके कार्यालय में मिले जहाँ उन्होंने श्री व्यास को गुलदस्ता भेंट करते हुए उनकी दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।


सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. झा को स्मृति चिन्ह देते हुए पुलिस आयुक्त


सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री के.के. व्यास को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए पुलिस आयुक्त

एसआई जैनेन्द्र पाराशर की सुपुत्री हिमांशी पाराशर मिस उत्तर प्रदेश चुनी गई



एसआई जैनेन्द्र पाराशर एवं सुश्री हिमांशी पाराशर

दिल्ली पुलिस के एसआई जैनेन्द्र पाराशर की सुपुत्री हिमांशी पाराशर ने **'फेमिना मिस इंडिया उत्तर प्रदेश–2018'** का खिताब जीतकर न केवल अपने राज्य का बल्कि दिल्ली पुलिस का नाम भी रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की 12 सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतियोगी सौंदर्य एवं शारीरिक रूप से एक से एक बढ़कर थीं। 12 अप्रैल, 2018 को दिल्ली के लीला होटल में आयोजित फाइनल राउंड में हिमांशी ने सभी को पीछे छोड़ते हुए 'फेमिना मिस इंडिया उत्तर प्रदेश–2018' का ताज अपने सिर पर पहना। फेमिना मिस इंडिया का फाइनल कम्पटीशन आगामी 23 जून को मुंबई में होगा जिसमें दिल्ली सहित कुल 30 राज्यों की प्रतिभागी भाग लेंगी। इस संबंध में हिमांशी ने कहा कि यह प्रतियोगिता बहुत ही चुनौतीपूर्ण रहेगी, परन्तु अपने पिताजी के आर्शीवाद और अपने आत्मविश्वास के साथ विजयी होने के लिए इस प्रतियोगिता में भाग लूंगी। उन्होंने कहा कि मेरे पिताजी ने हमेशा रूढ़िवादिता से उपर उठकर मेरी हौसला–अफ़जाई की है और मेरी उभरती प्रतिभा को बढ़ावा दिया है। एसआई जैनेन्द्र पाराशर का कहना है कि यह तो अभी शुरूआत है। मुझे आशा है कि मेरी बेटी एक दिन मिस इंडिया और फिर मिस वर्ल्ड बनकर देश व दिल्ली पुलिस का नाम रोशन करेगी। दिल्ली पुलिस परिवार सुश्री हिमांशी को अपनी शुभकामनाएं दे रहा है।



सुश्री हिमांशी पाराशर

इलाके के जनप्रतिनिधियों ने थानाध्यक्ष आदर्श नगर को सम्मानित किया



इंस्पेक्टर अनिल मलिक को सम्मानित करते हुए इलाके के जन प्रतिनिधि

10 अप्रैल, 2018 को उत्तर–पश्चिमी जिला के थाना आदर्श नगर में आयोजित एक सादे समारोह में इलाके के जनप्रतिनिधियों ने थानाध्यक्ष अनिल मलिक सहित कई पुलिसकर्मियों को उनकी मुस्तैदी, व्यवहार कुशलता और इलाके में अच्छी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सम्मानित किया। इस मौके पर काफी संख्या में पुलिस अधिकारी/कर्मी एवं इलाके वर्तमान एवं निवर्तमान विधायक एवं पार्षद भी उपस्थित थे। इस अवसर पर उतरी दिल्ली नगर निगम के स्थाई समिति के अध्यक्ष श्री तिलक राज कटारिया ने कहा कि अब लोगों के दिलो–दिमाग में दिल्ली पुलिस की छवि काफी लोकप्रिय और विश्वसनीय बनी हुई है और पुलिस के प्रति मित्र भाव भी उत्पन्न हो रहा है। ऐसे में जनता का दायित्व भी बनता है कि वह अपने इलाके के ईमानदार व मुस्तैद पुलिसकर्मियों की हौसला–अफज़ाई करें। थानाध्यक्ष अनिल मलिक ने उपस्थित स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों का समस्त दिल्ली पुलिस की तरफ से अभिनंदन करते हुए कहा कि अपराध मुक्त समाज के लिए पुलिस सदैव तत्पर है और नियमानुसार हर तरह से सहयोग के लिए नागरिकों के साथ खड़ी है।

मूक एवं वधिर एमटीएस उषा रानी ने चैस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया



उषा रानी अपने प्रतिद्वंदी से चैस खेलते हुए

दक्षिण–पश्चिमी जिला में तैनात एम.टी.एस उषा रानी ने स्विट्जरलैंड में आयोजित 70वीं जीएससीबी अन्तर्राष्ट्रीय मूक एवं वधिर चैस प्रतियोगिता जीत कर न केवल अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया है बल्कि अपनी शारीरिक दिव्यांगता पर भी विजय प्राप्त की है। जन्मजात मूक एवं वधिर चैस की खिलाडी उषा रानी द्वारा विदेश में प्राप्त इस बड़ी सफलता से भारतवर्ष व दिल्ली पुलिस दोनों का नाम रोशन हुआ। स्पोर्टस क्लब, बर्न, स्विटरजलैंड, द्वारा प्रायोजित इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए उषा रानी को दिल्ली स्थित डेफ कम्यूनिटी वेलफेयर एसोशिएशन के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र सिंह द्वारा काफी मदद और प्रोत्साहन मिला। स्पोर्टस क्लब बर्न द्वारा उषा रानी को 500 यूरो तथा **संयुक्त पुलिस आयुक्त (पश्चिमी परिक्षेत्र) श्री मधुप तिवारी** ने 5 हजार रुपये नकद व प्रशंसा पत्र के माध्यम से भविष्य के लिए प्रोत्साहन मिला। डेफ कम्यूनिटी के पदाधिकारियों से बातचीत के दौरान पता चला कि उषा रानी एवं उनके पति दोनों ही अनाथ थे और उनके पति ने ही उन्हें चैस खेलने के लिए प्रेरित किया और इस खेल में पारंगत बनाने में अहम भूमिका निभाई।

माह दिसम्बर, 2017 व जनवरी, 2018 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/ईकाइयों से 211 पुलिसकर्मी सेवानिवृत हुए हैं। इनमें से 28 पुलिसकर्मियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ती ली है। दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत्त होने वाले सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता है। **दिसम्बर माह में 96 सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों में शामिल हैं** :–इंस्पेक्टर अशोक कुमार, इंस्पेक्टर भारत भूषण,इंस्पेक्टर सुशील कुमार सेन तथा एमटीएम ओमप्रकाश **(मुख्यालय)**, एसआई तौशिफ अहमद **(मध्य जिला)**, एएसआई सुशील कुमार **(यातायात)**, एसआई डालचंद **(डीईसेल)**, एसआई केवल कृष्ण **(स्पेशल सेल)**, एसआई जगदीश प्रसाद व हैडकां0 उपेन्द्र कुमार **(पूर्वी जिला)**, एसआई डीग राम, एएसआई वेदपाल व एमटीएस किशन सिंह **(छट्टी वाहिनी)**, एमटीएस उमेद सिंह **(प्रथम वाहिनी)**, एएसआई युवराज सिंह, एएसआई विनय सिंह एमटीएस दरिया सिंह **(पांचवीं वाहिनी)**, एएसआई दिलबाग सिंह व एएसआई भूषण कुमार **(पश्चिमी जिला)**, इंस्पेक्टर सतवंती देवी **(उत्तर–पश्चिमी जिला)**, इंस्पेक्टर संत लाल, एसआई दुर्गेश दत्त, एएसआई रामकुमार, एमटीएस रमेश चंद व एमटीएस जयपाल सिंह **(पीटीसी)**, एसआई दिनेश चंद, एसआई जगदीश सिंह, एएसआई दिनेश कुमार शर्मा **(संचार शाखा)**, एसआई वेदप्रकाश त्यागी, एएसआई ओमप्रकाश, एएसआई अमरजीत राम व एएसआई मो0 इलियास **(उत्तर–पूर्वी जिला)**, एसआई वेदपाल, एसआई रविराज, एसआई बीर सेन, एसआई आनंद कुमार, एसआई विजय सिंह यादव व एसआई राजेन्द्र सिंह **(स्पेशल ब्रांच)**, इंस्पेक्टर हुक्म चंद, एसआई नवल सिंह, एसआई कृष्ण सिंह, एसआई मंगू लाल, एसआई मदन पाल, एसआई जिले सिंह, एसआई रामनंद, एसआई सुरेन्द्र पाल मलिक, एसआई रिछपाल सिंह, एसआई राजेन्द्र सिंह, एसआई अनवर खान, एसआई मकसूद अली, एसआई कंवर लाल शर्मा, एसआई इन्द्रपाल, एसआई नफे सिंह, एसआई बलवान सिंह, एएसआई दर्शन कुमार शर्मा, एएसआई सतेन्द्र सिंह, एएसआई भगवत सिंह, एएसआई तारीफ सिंह, एएसआई राम सिंह, एएसआई राकेश कुमार, हैडकां0 रामचन्द्र, **(पीसीआर)**, हैडकां0 विरेन्द्र नेहरा व स्वीपर रामरत्ती **(दक्षिणी जिला)**, एसआई बलबीर शर्मा, व एसआई श्याम लाल शर्मा **(दक्षिण–पूर्वी जिला)**, एसआई लेखराज सिंह, एसआई सुशील बेग, एसआई हरभजन, एसआई सुभाष चंद, एसआई ओमप्रकाश, एएसआई महाबीर सिंह, एएसआई सत्यपाल, एएसआई श्रीपाल सिंह व एएसआई रघुबीर सिंह **(सुरक्षा)**, महिला एसआई मंदोतरी देवी, एएसआई जोगा सिंह, एएसआई महेन्द्र कुमार व एमटीएस बच्चन सिंह **(उत्तरी जिला)**, एसआई मूलचंद **(तृतीय वाहिनी)**, एसआई श्रीराम **(सातवीं वाहिनी)**, एसआई रामनरेश, एएसआई बंशी लाल, एएसआई राजकुमार व एएसआई रामप्रसाद **(नई दिल्ली जिला)**, एसआई चरण सिंह, एसआई देवेन्द्रपाल सिंह, एसआई जलजीत सिंह व एएसआई महेन्द्र लाल **(पीएंडएल)** तथा महिला एसआई निर्मला देवी **(बाहरी जिला)**। **जनवरी माह में सेवानिवृत्त 115 पुलिसकर्मियों में शामिल है**:– एसआई ओमप्रकाश, एएसआई भागीरथ व एएसआई मनहोर सिंह **(सातवीं वाहिनी)**, एसआई ज्ञानेन्द्र सिंह व एसआई मंगत राम **(पांचवीं वाहिनी)**, एसआई रमेश कुमार, एसआई शिवचरण, एसआई राजबीर सिंह, एएसआई जसबीर सिंह, एएसआई महेन्द्र सिंह **(मध्य जिला)**, एसआई नरेन्द्र कुमार, एएसआई धर्मबीर, महिला एसआई के.शोभना तथा हैडकां0 राम मेहर सिंह **(रोहिणी जिला)**, एसआई ओंकार सिंह **(द्वितीय वाहिनी)**, एसआई बलदेव सिंह **(शाहदरा)**, एसआई चन्दर पाल, एसआई सुरेन्द्र कुमार व कुक गोपाल सिंह **(दक्षिणी जिला)**, एसआई अशोक कुमार, एसआई जगदीश चन्द्र, एसआई कंवर सिंह, एसआई राम कवंर सिंह, एसआई सत्यवीर सिंह, एसआई रमेश चंद, एसआई अजीत सिंह, एसआई रणसिंह, एसआई राजेन्द्र सिंह, एसआई जगदीश कुमार,एएसआई रमेश चंद, एएसआई जगदीश चन्द,एएसआई गजरण, एएसआई हुक्म चंद, एएसआई आशाराम, एएसआई नरेश कुमार, एएसआई हरीकिशन, एएसआई सुखपाल सिंह, हैडकां, अनिल कुमार, हैडकां0 संतोष कुमार, एएसआई रामभज, एएसआई बहादुर सिंह तथा हैडकां0 महताब सिंह **(पीसीआर)**, एमटीएस बिन्देश्वर शाहर **(चर्तुथ वाहिनी)**, इंस्पेक्टर रोहित वशिष्ठ, एसआई राजकुमार व एसआई जिले सिंह **(स्पेशल सेल)**, एएसआई रतिखान **(आईजीआई एयरपोर्ट)**, एएसआई जयभगवान व हैडकां0 कुलदीप **(बाहरी जिला)**, एसआई प्रमोद कुमार त्यागी **(दक्षिण–पश्चिमी जिला)**, एसआई रघुबीर सिंह, एसआई राजसिंह, एएसआई रमेश कुमार तथा एएसआई बलवान सिंह **(उत्तर–पश्चिमी जिला)**, एसआई बलराज, एएसआई कवंर लाल सिंह, एएसआई रणसिंह **(यातायात)**, एमटीएस त्रिलोक चंद **(पीटीसी)**, इंस्पेक्टर रामगोपाल, एसआई भगवान सिंह, एसआई मनोहर सिंह, एसआई जसविन्दर सिंह तथा एएसआई सुरेन्द्र कुमार **(संचार शाखा)**, इंस्पेक्टर दिनेश कुमार व एएसआई राजेन्द्र सिंह **(द्वारका जिला)**, एसआई महाबीर सिंह, एसआई नागा राम, एसआई जसवंत सिंह, एसआई जीत सिंह, एएसआई गयाप्रसाद, एएसआई बन्ने सिंह, एएसआई सत्यनारायण, हैडकां0 बलवान सिंह **(नई दिल्ली जिला)**, इंस्पेक्टर सुरेश चंद शर्मा, इंस्पेक्टर सोहन सिंह, एसआई बीर सिंह, एसआई ओमप्रकाश, एसआई प्रहलाद सिंह, एसआई हरबंस लाल, एसआई ब्रहम सिंह, महिला एसआई वीना देवी तथा एएसआई सुरेश कुमार एस, **(दक्षिण–पूर्वी जिला)**, एसआई विजयपाल सिंह, एसआई कृष्ण लाल, एसआई हरीपाल सिंह, एसआई प्रेमबीर सिंह, एसआई सुरेन्द्र पाल, एसआई अमरजीत सिंह, एसआई ओमप्रकाश, एएसआई नरेश कुमार छेत्री, एएसआई उमा शंकर भारती, एएसआई निहोर राम, एएसआई विजय प्रसाद एन, एएसआई नरेश कुमार, एएसआई जगबीर सिंह व एएसआई राजबीर सिंह **(सुरक्षा शाखा)**, एएसआई चन्दर किरण, एएसआई प्रकाश सिंह, एएसआई प्रकाश सिंह **(उत्तरी–पूर्वी जिला)** एसआई सुखर्मपाल **(अपराध शाखा)** एसआई राजेन्द्र प्रसाद, एएसआई इन्द्रपाल सिंह **(उत्तरी जिला)** तथा एएसआई परमानंद, एएसआई महिपाल सिंह व हैडकां0 बलबीर सिंह **(पीएंडएल)**।

शुभकामनाएँ

श्रद्धांजलि

माह फरवरी व मार्च, 2018 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/ईकाईयों में तैनात 28 पुलिसकर्मियों की सेवाकाल के दौरान भिन्न–भिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो गई। असमय बिछुड़ गये अपने इन साथियों को दिल्ली पुलिस परिवार अपनी भाव–भीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है और उनके आश्रितों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता है। **फरवरी माह में दिवंगत 16 पुलिसकर्मियों में शामिल है**:– एसआई सुखराम व हैडकां0 राजेश कुमार **(पीसीआर)**, एएसआई बनी सिंह व एमटीसी महेश प्रसाद **(बाहरी जिला)**, एमटीएस राजपाल व एमटीएस आनंद सिंह **(पीटीसी)**, एसआई सैमुअल लाकड़ा व कां0 संजय कुमार **(सुरक्षा शाखा)**, एएसआई रामकुमार **(छट्टी वाहिनी)**, हैडकां0 दीपक कुमार व एमटीएस रामसिंह (मध्य जिला), एमटीएस ब्रिजेश गुप्ता **(मुख्यालय)**, कां0 कृष्ण पाल **(तृतीय वाहिनी)**, एएसआई राकेश कुमार **(शाहदरा जिला)**, हैडकां0 सतीश कुमार **(रोहिणी जिला)** तथा एएसआई रंगजी चौबे **(उत्तर–पूर्वी जिला)**।

मार्च माह में दिवंगत 12 पुलिसकर्मियों में शामिल हैं:– इंस्पेक्टर विनोद कपूर **(एफआरआरओ)**, एएसआई अनिरूद्व टी.पी. **(तृतीय वाहिनी)**, हैडकां0 राजेश कुमार व हैडकां0 विरेन्द्र कुमार **(नई दिल्ली जिला)** एएसआई राजपाल, एएसआई मदनलाल तथा एएसआई हनुमान सहाय **(पीसीआर)**, महिला एएसआई शोभा **(पूर्वी जिला)**, एएसआई सुभाष चंद **(शाहदरा जिला)**, हैडकां0 उमेद सिंह **(मध्य जिला)**, एमटीएस रामेश्वर **(पीटीसी)** तथा एमटीएस संतोष **(बाहरी जिला)**।

31 मार्च व 30 अप्रैल, 2018 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारीगण



एसीपी श्री सरदूल सिंह (चतुर्थ वाहिनी)



एसीपी श्री रामदल (द्वितीय वाहिनी)



एसीपी श्री राजेश कुमार शर्मा (नई दिल्ली जिला)



एसीपी श्री ओमप्रकाश शर्मा (पीटीसी)



एसीपी श्री दीवान चंद (दक्षिणी जिला)



एसीपी श्री सोजी राम मीणा (राष्ट्रपति भवन)



एसीपी श्री सुशील चन्द्र शर्मा (सुरक्षा)

दिल्ली पुलिस परिवार सेवा निवृत्त होने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता है।



अति. आयुक्त पुलिस श्री राजबीर सिंह चौहान (प्रथम वाहिनी)



उपायुक्त पुलिस श्री सतबीर सिंह (एंटी रॉयट सेल)



एसीपी श्री बीर सिंह खटाना (विशेष इकाई महिला एवं बाल सुरक्षा)



एसीपी श्री प्रियमित्र कौशिक (पुलिस मुख्यालय)



एसीपी श्री कुलवंत सिंह (एफआरआरओ)



एसीपी श्री गिरीश कुमार (प्रथम वाहिनी)



एसीपी श्री रण सिंह गहलौत (पीसीआर)



एसीपी श्री खिलाड़ी राम मीणा (तृतीय वाहिनी)



सम्पादक

सम्पादक : श्री राजीव रंजन, उपायुक्त पुलिस (पुलिस आयुक्त के स्टाफ ऑफिसर)
सह-सम्पादक : निरीक्षक सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।



सह-सम्पादक